

डॉ. डोनाल्ड फाउलर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि, व्याख्यान 13 लोग समूह, हबीरू और अरामीन्स

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 13 है, लोग समूह, हबीरू और अरामियन।

खैर, आपका फिर से स्वागत है क्योंकि हम इस अध्ययन को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं कि इब्रानियों को इब्रानी क्यों कहा जाता है या, विशेष रूप से, इब्राहीम को इब्रानी क्यों कहा जाता है। क्योंकि हम कह सकते हैं कि यदि इब्राहीम को हिब्रू कहा जाता है, तो यह समझ में आता है कि उसके वंशजों को हिब्रू क्यों कहा जाता है।

लेकिन क्या इब्राहीम को हिब्रू कहा जाता है क्योंकि वह हबीरू है? खैर, हम यहां इसी से जूझ रहे हैं। और इसलिए, इससे पहले कि हम यह संबंध बनाएं, हबीरू के बारे में कई चीजें हैं जिन पर हमें गौर करना होगा। इसलिए, मैं आपको यहां ऊपर हमारे नोट्स देखने के लिए आमंत्रित करता हूं।

मेरे साथ ए में ध्यान दें, 4 के नीचे, हबीरू या हबीरू, यह एक ही चीज़ होगी, अक्कादियन में वाराद-सिन और रिम-सिन के रूप में उपयोग किया जाता है। अब, मैं जानता हूं कि जब हम इस प्रकार की चीजें देखते हैं तो वे हमसे बात नहीं करते हैं, लेकिन मैं आपको बता दूंगा कि ये स्थान, ये दोनों व्यक्ति मेसोपोटामिया में हैं। और आप देखेंगे कि 1800 में, आप मेसोपोटामिया से बाहर हैं और इब्राहीम के सैकड़ों साल बाद।

मेरे साथ यह भी ध्यान दें कि यह शब्द 1500 में नुज़ी में दिखाई दिया था, जहां एक सीरियाई नाम, आदिग्लोट से एक हबीरू और सिनबल्टी नाम की एक महिला का उल्लेख किया गया है। हबीरू का प्रयोग अमर्ना काल में बहुत बार किया जाता है। तो हम आपसे क्या पूछ रहे हैं, और मैं अनुभव से जानता हूं कि यह भ्रमित करने वाला है।

तो मैं आपको बता दूंगा, अक्कादियन में हबीरू शब्द का प्रयोग पूरे ऊपरी मेसोपोटामिया में किया जाता है। और इसका उपयोग यहां फ़िलिस्तीन में भी किया जाता है। तो इसका मतलब यह है कि, आप पहले से ही देख सकते हैं कि हबीरू शब्द का उपयोग बाइबिल के बाहर अक्काडियन में किया जाता है, जिसका उपयोग पूरे मेसोपोटामिया में किया जाता है।

अक्कादियन शब्द हबीरू का एक सुमेरियन समकक्ष है जिसे शार-इगिज़ी कहा जाता है। और सुमेरियन शब्द का उपयोग तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व में होता है। तो, अगर यह तीसरी सहस्राब्दी तक जाता है, तो इसका मतलब है कि यह इब्राहीम से एक हजार साल पहले है।

तो यहाँ पहला निष्कर्ष है जो हम मानचित्र को देखकर निकालने जा रहे हैं। हबीरू शब्द का प्रयोग इजराइल की सीमाओं से बहुत दूर तक किया जाता है। और इसका प्रयोग इब्राहीम से बहुत पहले से किया जाता रहा है।

इसलिए, पहली चीजों में से एक जो हम कर सकते हैं, वह यह कहते हुए एक बहुत ही अपरिपक्व निष्कर्ष निकालना है कि अब्राहम हबीरू हो सकता है, लेकिन निश्चित रूप से वह एकमात्र हबीरू नहीं है, क्योंकि उस शब्द का उपयोग अब्राहम से बहुत पहले किया गया था, और इसका उपयोग पूरे उपजाऊ में किया गया था। क्रिसेंट. तो यह पहला अस्थायी निष्कर्ष है जो हम निकाल सकते हैं। दूसरा अस्थायी निष्कर्ष जो हम आपके लिए निकाल सकते हैं वह यह है।

सुमेरियन और अक्कादियन दोनों में, इस शब्द का उपयोग किसी जातीय समूह का वर्णन करने के लिए नहीं किया जाता है। जहाँ तक मेरी जानकारी है, हबीरू का प्रयोग कभी भी किसी जन समूह के लिए नहीं किया जाता है। किसी राष्ट्र या लोगों की जनजाति जैसा कोई नाम नहीं है जिन्हें हबीरू कहा जाता है।

हबीरू शब्द का प्रयोग सामाजिक-जातीय शब्द के रूप में किया जाता है। दूसरे शब्दों में, अक्कादियन में, हबीरू एक शब्द है जिसका उपयोग विभिन्न जातीय मूल के लोगों के समूहों के लिए किया जाता था, जो सभी एक तरह से समाज के हाशिए पर रहते थे। वे बाहरी लोग थे।

उदाहरण के तौर पर मैं जिस निकटतम चीज़ के बारे में सोच सकता हूँ वह जिप्सी शब्द हो सकता है। जिप्सी वे लोग हैं, विशेषकर यूरोप में, जो पूरे यूरोप में रहते थे। वे अंतरराष्ट्रीय थे।

वे वास्तव में किसी भी जन समूह का हिस्सा नहीं थे, और वे हमेशा किसी न किसी स्तर पर कानून से बाहर रहने की प्रवृत्ति रखते थे। इसलिए हम अपने नोट्स के इस सी बिंदु में आपको जो सुझाव दे रहे हैं वह यह है कि इस शब्द का उपयोग किसी व्यक्ति समूह के लिए नहीं किया जाता है। इसका उपयोग उन लोगों के समूहों के लिए किया जाता है जो कानून से बाहर हैं, कानून के दायरे में रहते हैं।

इसलिए, जब हम डी पर आते हैं, तो हम यह बात कह सकते हैं। हबीरू शब्द का प्रयोग निर्गमन की अवधि से पहले और बाद में पूरे प्राचीन विश्व में किया जाता है। और, निःसंदेह, यह फ़िलिस्तीन के लिए विशेष रूप से सच है।

तो, मैं निष्कर्ष में कहूंगा, हम कह सकते हैं कि कुछ हबीरू इब्री रहे होंगे, लेकिन यह पूर्ण निश्चितता है कि सभी हबीरू इब्रानी नहीं थे। दूसरे शब्दों में, उत्पत्ति 14:13 पर वापस आएं, जब इब्राहीम को हबीरू कहा जाता था। यह संभव है कि उसे हबीरू कहा जाता था क्योंकि उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में माना जाता था जो समाज के हाशिए पर था और कानून से बाहर था। लेकिन हम यह नहीं कह सकते कि हबीरू शब्द इब्राहीम के बराबर इब्रानियों के बराबर है क्योंकि इब्राहीम के समय में इस शब्द का इस्तेमाल इजराइल की सीमाओं से बहुत दूर किया गया था जहां इब्राहीम था।

तो मैं निष्कर्ष कहूंगा, फिर मैं इस संबंध में कुछ और बातें कहना चाहता हूं। हालाँकि यह संभव है कि इब्राहीम को हिब्रू कहा जाता था क्योंकि उसे हबीरू माना जाता था, जिसका अर्थ था कोई ऐसा व्यक्ति जो संस्कृति के किनारे पर था, हम स्वचालित रूप से यह नहीं कह सकते कि हिब्रू और हबीरू एक ही चीज़ हैं। तो, इस भ्रामक प्रस्तुति में, मैं जो कहूंगा वह यह है, मुझे लगता है कि हमारे पास है, मेरा अनुमान है कि हमारे पास जो है वह एक ध्वन्यात्मक दुर्घटना है।

उत्पत्ति 14:13 में हिब्रू और हबीरू दो अलग-अलग शब्द हैं। और मैं जो सुझाव दूंगा वह यह है कि वे बिल्कुल एक जैसे ही लगते हैं। यह अस्थायी है, लेकिन मैं जो सुझाव दूंगा वह यह है कि वे बिल्कुल एक जैसे ही लगते हैं। मैं आपको सुझाव दूंगा कि इब्राहीम को हिब्रू कहा जाता था क्योंकि वह फिलिस्तीन से पार कर गया था, क्षमा करें, मेसोपोटामिया से फिलिस्तीन तक पार कर गया था, और मुझे हबीरू और हिब्रू शब्द के बीच कोई संबंध नहीं दिखता है।

वे केवल दो शब्द हैं जो सुनने में एक जैसे लगते हैं लेकिन एक जैसे शब्द नहीं हैं। मुझे संदेह है कि अमरना अभिलेखागार में हबीरू शब्द और हिब्रू शब्द के बीच कोई संबंध है। दूसरे शब्दों में, 1370 में, जब यहोशू देश में आया, और यरूशलेम के राजा ने मिस्र के राजा को लिखा और कहा कि हबीरू आ रहे हैं, मुझे थोड़ा संदेह है कि यह इब्रियों का जिक्र नहीं कर रहा है।

जब यरूशलेम का राजा लिखता है कि हबीरू सेना भेजने के लिए आ रहा है, तो वह जो कहता है वह यह है कि हबीरू भेजने के लिए आ रहा है, और सटीक शब्दावली 10, 15 सेना भेजी जाती है। यह इब्रानियों के आक्रमण जैसा नहीं लगता। हम बाइबिल पाठ में पढ़ते हैं कि यहोशू ने यरूशलेम के यबूस नामक शहर से युद्ध किया और उसने उन्हें युद्ध में हरा दिया।

वह निश्चित रूप से 10 या 15 सैनिकों से अधिक था। इसलिए, मुझे थोड़ा संदेह है कि जब अमरना अभिलेखागार में हबीरू शब्द का उपयोग किया जाता है, तो मुझे थोड़ा संदेह होता है कि इसका इब्रानियों से कोई संबंध नहीं है, लेकिन मैं इस मुद्दे पर जोर नहीं देने जा रहा हूं। तो, हबीरू के निष्कर्ष में मैं जो कहूंगा वह यह है कि मुझे संदेह है कि अब्राहम को हिब्रू कहा जाता था क्योंकि वह पार हो गया था, और वहां हिब्रू शब्द हबीरू शब्द के समान नहीं है, जो मूल रूप से मेसोपोटामिया का शब्द है।

तो इस पर हमारी चर्चा यही है। यह शायद ही अंतिम शब्द है। हो सकता है कि यह मेरी ओर से अंतिम शब्द भी न हो।

शायद अब से कुछ साल बाद, मेरे मित्र डॉ. हिल्डेब्रांट मुझसे इस पर एक और व्याख्यान देने के लिए कहेंगे और मैं इस पर एक अलग दृष्टिकोण रखूंगा। लेकिन फिलहाल तो यही मेरा विचार है। यह हमें अब्राहम के हबीरू या हिब्रू होने की तुलना में कहीं अधिक महत्व के विषय क्षेत्र में जाने की अनुमति देता है।

और वह अरामियों का विषय क्षेत्र है। इसलिए, जब मैं आपको इसका परिचय देने के लिए इस तरह का एक बयान देता हूं, तो यह आपको बताता है कि यह बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। पुराने नियम के अध्ययन के लिए अरामियों से अधिक महत्वपूर्ण कोई अन्य लोग नहीं हैं।

यह इब्रानियों और हैबिरस के बीच कोई विद्वत्तापूर्ण बहस नहीं है। यह इब्राहीम के लोगों की उत्पत्ति के बारे में एक बहस है। इसलिए, वे उत्पत्ति की ऐतिहासिक सत्यता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

दूसरा, उन्होंने लगभग 300 वर्षों तक पश्चिम की ओर असीरियन विस्तार को रोके रखा। तीसरा, वे विभाजित राजतंत्र की अवधि में अधिक महत्वपूर्ण जातीय कारकों में से एक का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरे शब्दों में, विभाजित राजतंत्र के काल में वे इस्राएलियों के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी थे।

चौथा, उत्पत्ति, एज्रा, डैनियल और यिर्मयाह की पुस्तकें आंशिक रूप से, एक छोटे हिस्से में, कभी-कभी बड़े हिस्से में, अरामी भाषा में लिखी गई हैं। इसलिए, जब हम अरामी लोगों के बारे में बात करते हैं, तो हम बाइबल में किसी अत्यंत महत्वपूर्ण बात के बारे में बात कर रहे होते हैं। यह सच भी है क्योंकि उपरोक्त पैराग्राफ में मैंने जो उल्लेख किया है उसके बावजूद, मुझे आपको यह उल्लेख करना चाहिए था कि इब्राहीम के पोते, जैकब, जैकब को एक भटकने वाला अरामी कहा जाता था।

इसलिए, जब हम अरामियों के बारे में बात करते हैं, तो इसका पता लगाने के लिए एक साथ एक घंटा बिताना उचित है। तो, क्या हमें कोई समस्या है? मैंने आपको दूसरे पैराग्राफ में बताया था, समस्या आम तौर पर बताई गई है, अधिकांश उदारवादी, या मुझे आलोचक शब्द का उपयोग करना चाहिए था, अधिकांश आलोचक और पुरातत्वविद् कहेंगे कि अरामी नामक लोगों का पहला पहचान योग्य संदर्भ तिग्लाथ के समय में है- पाइल्सर प्रथम लगभग 1100 ई.पू. किसी की भी डेटिंग प्रणाली के अनुसार, इब्राहीम 1100 ईसा पूर्व से काफी पहले का था।

इसलिए, चूंकि उत्पत्ति में स्पष्ट रूप से 2000 ईसा पूर्व में इस शब्द का उल्लेख है, हमारे पास एक कालानुक्रमिक समस्या है। यदि अरामी लोगों का सबसे पहला संदर्भ 1100 ईसा पूर्व का है, और उत्पत्ति में वास्तव में अरामी नाम का उल्लेख है, और बाद में, जब हम लाबान और जैकब को एक साथ चुंबन और श्रृंगार करते हुए देखते हैं, तो वे एक वाचा बनाते हैं, और लाबान अपनी वाचा में इसे बनाता है। अरामी में, और याकूब ने हिब्रू में अपनी वाचा बाँधी, तो हमारे पास वास्तव में अरामी भाषा याकूब के समय में प्रकट हुई। तो यह उस समस्या का हिस्सा है जिससे हम निपट रहे हैं।

क्या हमारे पास 1100 ईसा पूर्व से पहले अरामी लोग हो सकते हैं? मेरा प्रस्ताव है, ठीक है, जेनेसिस करता है, और हमें इसके बारे में सोचने और इसके बारे में कुछ समझ में आने की कोशिश करने की ज़रूरत है। इसलिए मेरे लिए इसे विनम्र शब्दावली में रखना बुद्धिमानी है। समाधान की दिशा में, मैं आपको अनिवार्य रूप से यह आभास नहीं देना चाहता कि मेरे पास समाधान है, लेकिन मुझे आशा है कि मैं हमें समाधान की ओर ले जा सकता हूँ।

तो, कठिनाई का एक हिस्सा यह है कि उत्पत्ति में जानकारी के अपवाद के साथ, अरामी लोगों की उत्पत्ति अस्पष्ट है। अधिकांश विद्वानों का कहना है कि अरामी लोगों की उत्पत्ति सीरिया, इराक और जिसे हम सऊदी अरब कहते हैं, के विशाल रेगिस्तानों में हुई थी। हालाँकि, एक अन्य

रूढ़िवादी दृष्टिकोण यह है कि वे हमेशा दो नदियों के अराम, अराम-नहरैम की अपनी मातृभूमि में रहे हैं।

इसलिए, मुझे डर है कि मेरे कंप्यूटर की समस्या के कारण मैंने हाल ही में वह नक्शा खो दिया है जो मैं आपको इसके बारे में दिखाना चाहता था। इसलिए, मैं आपको वह नक्शा नहीं दिखा सकता। मुझे आपको इसके बारे में एक छोटा नक्शा दिखाने के लिए समझौता करना होगा, मुझे लगता है कि हम उस नक्शे को बंद कर सकते हैं।

मैं आपको एक छोटा नक्शा दिखा सकता हूँ जिसमें मैं अरामी लोगों के ऐतिहासिक वितरण को इंगित कर सकता हूँ। तो, हम बाइबल के कुछ अंशों को देखेंगे, और उम्मीद है, मैं इसे स्पष्ट कर सकता हूँ, लेकिन इस शब्दावली पर यहीं ध्यान दें। इसका आपके लिए कोई मतलब नहीं है।

इसलिए आप यह वीडियो देख रहे हैं ताकि मैं आपको यह समझा सकूँ। पदन अराम. अर्थात् अराम का क्षेत्र।

यह इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक पदनाम है। हम ऊपरी सीरिया, मेसोपोटामिया में हैं। यह फ़रात नदी है।

यहीं, फ़रात नदी देखें? यहाँ बालाक है. नक्शों में, जहाँ तक हम पीछे जा सकते हैं, यहाँ ऊपर के इस क्षेत्र को अराम का क्षेत्र कहा जाता है। इसे प्राचीन निकट पूर्वी साहित्य में अराम-नहरैम भी कहा जाता है।

अराम-नहरैम का अर्थ है दो नदियों का अराम। ठीक है, इसे और अधिक स्पष्ट करने का प्रयास करने के लिए मुझे इसे फिर से कहने दीजिए। यह क्षेत्र ऊपरी मेसोपोटामिया में है, 1100 ईसा पूर्व से बहुत पहले, इस क्षेत्र के दो नाम थे।

हमारे पास 1100 ईसा पूर्व से बहुत पहले के प्राचीन निकट पूर्वी दस्तावेजों में इन नामों का प्रचुर उल्लेख है, जब इस क्षेत्र को या तो पदन अराम कहा जाता था, जिसका अर्थ अराम का क्षेत्र था, या अराम-नहरैम, जो हिब्रू है, या वास्तव में अराम के लिए अरामी है। दो नदियों में से. तो, दो नदियाँ यहाँ फ़रात नदी और यहाँ बालाक नदी होंगी। ठीक है, तो बाद में, अरामी लोगों का वितरण यहां आपके लिए पीले रंग में चित्रित किया गया है।

यह विभाजित राजतंत्र की अवधि के दौरान अरामी राज्यों की सीमाएँ थीं। तो, चलिए समाधान की ओर वापस आते हैं। इसके साथ, उम्मीद है कि मैं आपको समझा सकूँगा कि आपके समझने के लिए मेरा क्या मतलब है।

यहाँ मैंने उल्लेख किया है कि बाइबल स्पष्ट रूप से कम से कम नाम या शब्द अराम की सुसंगत स्मृति को दर्शाती है। उदाहरण के लिए, नाचोर, जो इब्राहीम का भाई था, का अराम नाम का एक पोता है। इसहाक, उत्पत्ति के अनुसार, इसहाक और जैकब दोनों स्पष्ट अरामी, बतूएल और लाबान की बेटियों से शादी करते हैं, और जब लाबान और जैकब मेल-मिलाप करते हैं, तो लाबान अपने पत्थर का नाम अरामी में और जैकब का नाम हिब्रू में रखता है।

और व्यवस्थाविवरण 26:5 याकूब को भटकता हुआ अरामी कहता है। तो, हम आपको जो इंगित कर रहे हैं वह यह है कि जेनेसिस बार-बार अरामीयन शब्द का उपयोग करता है, दोनों एक स्थान के नाम के रूप में और यह एक लोगों के समूह का सुझाव देता है। यह वास्तव में अरामी भाषा का प्रयोग करता है, लेकिन यहाँ हमारी समस्या है।

हमारे पास अरामी लोगों का सबसे पहला पुरातात्विक रिकॉर्ड 1100 ईसा पूर्व का है, जो इब्राहीम के समय से तिग्लाथ-पिलेसर के समय तक पूरी तरह से एक हजार साल अलग है। तो, हम उस समस्या का क्या करें? उत्पत्ति में अरामी लोग हैं, अराम नाम का एक स्थान है, और अरामी भाषा बोलने वाले लोग हैं। यह वास्तव में जैकब को एक भटकते हुए अरामी के रूप में संदर्भित करता है, जबकि हमारे पास अरामी लोगों का कोई अन्य पुरातात्विक साक्ष्य नहीं है। तो, मेरी प्रतिक्रिया यह है कि समस्या यह निर्धारित कर रही है कि क्या अराम नाम को जातीय अरामी लोगों के साथ पहचाना जा सकता है।

आइए मैं वापस जाऊँ और आपको बताऊँ कि मेरा क्या मतलब है। तो, फिर, इस मानचित्र पर जिसे हमने पहले देखा था, कहीं न कहीं, मुझे लगा कि मेरे पास अभी भी यह है, लेकिन जाहिर तौर पर, मेरे पास नहीं है। हाँ, यह यहाँ है।

इसमें कोई विवाद नहीं है, कोई विवाद नहीं है, लेकिन अराम नाम तिग्लाथ-पिलेसर प्रथम के समय से बहुत पहले से था। पदन अराम सभी प्राचीन मानचित्रों पर है, अराम नाह अरैम प्राचीन मानचित्रों पर है, इसलिए हम स्पष्ट रूप से निर्विवाद रूप से बिना किसी विवाद के हैं। क्या यह तथ्य है कि अराम नाम 1100 ईसा पूर्व में तिग्लाथ-पिलेसर से एक हजार साल पहले मानचित्रों पर दिखाई देता है, ठीक है? तो, हम जो पूछ रहे हैं वह यह है कि क्या यह किसी भी तरह से अरामी लोगों और स्थान नाम अराम के बीच संबंध का सुझाव देता है? इसलिए, यदि आप इसे समझते हैं, तो यही वह प्रश्न है जिस पर हम यहां काम करने जा रहे हैं। मुझे यकीन है कि आपमें से कुछ लोगों को नर्म सिन याद होगा। वह सींग वाला हेलमेट वाला लड़का था, आपको याद होगा, जो मेसोपोटामिया का पहला राजा था जिसने खुद को भगवान घोषित किया था, दैवीय घोषित किया था।

नर्म सिन ने 2300 में ऊपरी यूफ्रेट्स क्षेत्र में स्थित एक अराम का उल्लेख किया है। 2000 में ऊपरी मेसोपोटामिया में ड्रेकेम अभिलेखागार में, 1800 में मारी दस्तावेजों में, 1700 में अललख गोलियों में, और 1400 में उगारिट में अराम एक स्थान के नाम के रूप में दिखाई देता है। आप देख सकते हैं, पूरे एक हजार साल तक, अराम शब्द 1100 ईसा पूर्व से बहुत पहले दिखाई देता है।

इसके अलावा, ऊपरी मेसोपोटामिया के लिए कुछ प्राचीन स्थानों के नाम हैं, जैसे पदन अराम और अराम नाहरैम, जो तिग्लाथ-पिलेसर प्रथम से बहुत पहले के हैं। तो, सीधे शब्दों में कहें तो, क्या ये स्थान नाम जातीय अरामियों के संकेतक हैं? बहुत सारे स्थानों के नामों में अराम का उल्लेख है। क्या हम उन स्थानों के नामों की तुलना जातीय अरामियों से कर सकते हैं जिनमें अराम है? खैर, मुझे कैमरे की ओर देखने दीजिए और आपके साथ ईमानदार होने दीजिए।

इसका उत्तर यह है कि उत्पत्ति में हमने जो पढ़ा है, उसके अलावा हमारे पास इस बात का कोई सबूत नहीं है कि इब्राहीम के समय में अरामी भाषा बोली जाती थी, न ही हमारे पास कोई पुरातात्विक साक्ष्य है।

हमारे पास वास्तव में केवल उन स्थानों के नाम हैं जिनमें अराम है, उन स्थानों का उल्लेख है जहां अराम एक स्थान के नाम के रूप में प्रकट होता है। इसलिए, अरामी लोगों की उत्पत्ति अक्सर अखलामे और सुतु से जुड़ी होती है, और इस बात के मजबूत भाषाई सबूत हैं कि वे एमोरियों से निकटता से संबंधित हैं। तो, मैं आपको कुछ अच्छी खबर दे सकता हूं।

यह भी बुरी खबर है। अच्छी खबर यह है कि लॉसन यंगर, जो शिकागो, इलिनोइस के उत्तर में डियरफील्ड में टिनिटी सेमिनरी में प्रोफेसर हैं, ने हाल ही में एक किताब लिखी है जो अरामी लोगों के बारे में है। वह इस पर अग्रणी विशेषज्ञों में से एक बन गया है, और इसलिए, यदि भगवान और स्वर्गदूतों को ज्ञात किसी भी कारण से, आप निर्णय लेते हैं कि आप इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो आप अपने सेमिनरी पुस्तकालय में जा सकते हैं। मुझे यकीन है कि यह केवल सेमिनरी पुस्तकालय में होगा, और उसकी पुस्तक, लॉसन यंगर, जिसे यंगर लिखा गया है, बिल्कुल ईआर वाले यंग की तरह मिलेगी।

इस पर उन्होंने क्या लिखा है आप पढ़ सकते हैं। तो, यह अच्छी खबर है। यह भी एक बुरी खबर है क्योंकि, अंत में, हम अभी भी इस समस्या से जूझ रहे हैं कि हमारे पास वास्तव में उत्पत्ति के वर्णन के अलावा एक जगह का नाम है।

तो, यह हमें एक और समस्या की ओर ले जाता है, जो यह है कि चूंकि उत्पत्ति अब्राहम को इस सामान्य क्षेत्र से उतरते हुए चित्रित करती है, तो हमें यह प्रश्न पूछने की समस्या सौंपी जाती है कि अब्राहम कहाँ से आया था? इस विशेष मानचित्र में, यदि आप मेरे कर्सर का अनुसरण करना चाहते हैं, तो जब इब्राहीम कसदियों के उर से निकला, तो अगला स्थान जहां वह गया वह हारान था। वहाँ, हारान शहर में, वह अपने पिता के मरने की प्रतीक्षा करता रहा। उनके पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने यात्रा जारी रखी।

अब, आप देखेंगे कि यहाँ नीचे एक महान शहर है, उर नामक शहर। तो, अब हम कुछ समय के लिए अपने आप से यह प्रश्न पूछेंगे कि चाल्डीज़ कहाँ है? क्या इब्राहीम यहाँ ऊपर के उर से आया था, या इब्राहीम इस उर से यहाँ आया था? वे हमारी दो पसंद हैं। इब्राहीम, हिब्रू,

क्या वह उर से यहाँ आया था, या उर से यहाँ आया था? तो, यह हमारा काम है। मैं इस बात से काफी दुखी हूँ कि मेरे पास आपको विकल्प दिखाने के लिए कोई नक्शा नहीं है। तो, मैं आपको एक किताब खरीदने के लिए आमंत्रित करना चाहता हूँ।

और मुझे मूडी प्रेस से कोई रॉयल्टी नहीं मिलती, लेकिन मूडी प्रेस के पास मूडी बाइबिल एटलस नामक एक अच्छी किताब है। और उस एटलस में एक अद्भुत नक्शा है जो आपको यह दिखाने के लिए बनाया गया है कि अब्राहम उत्तर में एक उर से आया था। और इसलिए, यदि आप इसे

आगे बढ़ाना चाहते हैं और आप इसे मानचित्र के रूप में देखना चाहते हैं, तो आप मूडी बाइबिल एटलस पर जा सकते हैं क्योंकि इसमें अब्राहम उत्तर में एक उर से आ रहा है।

हम यहां इस बारे में कुछ विस्तार से बात करने जा रहे हैं। तो, चलिए उत्पत्ति अध्याय 11 पर चलते हैं। यह पहला स्थान है जो हमें इसके बारे में बताता है।

और मुझे उत्पत्ति अध्याय 11 में कुछ छंद पढ़ने दीजिए। अध्याय 11 के अंत में, बाइबिल का पाठ हमें अध्याय 11 की घटनाओं के अंत से अध्याय 12 की घटनाओं की शुरुआत तक पहुंचने के लिए एक सहारा देता है। तो, अध्याय 11 में, पाठ हमें बताता है, श्लोक 27 में, ये तेरह की पीढ़ी के अभिलेख हैं।

तेरह इब्राहीम, नाहोर और हारान का पिता बना। और हारान लूत का पिता बना। अब, हारान, इब्राहीम का पिता होने के नाते, अपने जन्म की भूमि में अपने पिता, तेरह की उपस्थिति में मर गया।

मुझे आशा है कि आपकी बाइबिल बाहर आ जाएगी। आप अभी कभी भी वीडियो को रोक सकते हैं। पद 28 में, इब्राहीम अपने पिता की उपस्थिति में मर गया; क्षमा करें, हारान अपने पिता तेरह की उपस्थिति में, अपनी जन्मभूमि में मर गया।

उसके जन्म की भूमि कसदियों के उर में है। और इब्राहीम और नाहोर ने अपने लिये पत्नियाँ ब्याह लीं। इब्राहीम की पत्नी का नाम सारा था।

नाहोर की पत्नी का नाम मिल्का था, जो मिल्का और इस्का के पिता हारान की बेटी थी। और इसलिए, आयत 31 में, तेरह ने इब्राहीम, उसके बेटे को, तेरह ने इब्राहीम को, उसके बेटे को, और हारान के बेटे, लूत को, उसके पोते को, और सारा, उसकी बहू, उसके बेटे, इब्राहीम की पत्नी को ले लिया, और वे कनान देश में प्रवेश करने के लिये कसदियों के उर से एक साथ निकले। और वे हारान तक गए, और वहीं बस गए।

ठीक है? अब, मैं आपको शीघ्रता से मानचित्र पर वापस जाकर आपको दिखाता हूँ कि इसने अभी हमें क्या बताया है। तो, इसने अभी हमें जो बताया वह यह है कि इब्राहीम ने कसदियों के उर को छोड़ दिया, उसने कसदियों के उर को छोड़ दिया, और वह यहीं हारान चला गया, और यहीं पर आने के लिए उसका कूदने का बिंदु था, जहां भगवान उसे बुला रहे थे। यहाँ हारान है।

जहाँ तक मैं जानता हूँ, इस बात पर कोई विवाद नहीं करता कि यह हारान का स्थान है। तो, अगर इब्राहीम यहाँ से आया, तो सवाल यह है कि वह हारान क्यों जाएगा? क्योंकि, जैसा कि आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, यदि आप इस उर से यहां तक जा रहे हैं तो आपके पास दो मार्ग हैं जिनका आप अनुसरण करेंगे। और इसलिए, एक मार्ग ताड़मोर से चटना तक जाने और फिर दक्षिण की ओर जाने के लिए दक्षिणी मार्ग होगा।

उत्तरी मार्ग नदी को गले लगाने और यहां अलेप्पो तक जाने और फिर नीचे आने के लिए होगा क्योंकि यह रेगिस्तान जैसा नहीं है, यह आसान होगा, आप जानते हैं, लोगों का एक बड़ा समूह,

क्योंकि इब्राहीम के पास लोगों का एक बड़ा समूह था। तो, जैसा कि आप मानचित्र को देखते हैं, यह बहुत हैरान करने वाला है कि इब्राहीम उर से हारान तक गया होगा। तो, अब जब हमने तस्वीर देख ली है, तो मैं लिखित पाठ पर वापस जा रहा हूँ, लेकिन इससे पहले कि मैं लिखित पाठ पर वापस जाऊँ, आइए आखिरी बार मानचित्र पर नजर डालें।

जैसा कि आप देख सकते हैं, यहाँ उर है। उर फ़रात नदी के पश्चिमी तट पर है। तो, इसका मतलब है कि हमने उम्मीद की होगी कि इब्राहीम इसी तरह पश्चिमी तट पर रुका होगा और यूफ़्रेट्स के साथ अपना रास्ता बनाया होगा और फिर पार कर गया होगा।

इसलिए, यदि इब्राहीम इस उर से था, तो हमें एक संभावित समस्या है क्योंकि हम जानते हैं कि उसने कोई जहाज नहीं लिया था। पाठ हमें बताता है कि इसमें किसी जहाज़ का उल्लेख नहीं है। यदि वह इस क्षेत्र में यात्रा कर रहा है और वह हारान जाता है, तो हारान न केवल रास्ते से बाहर है, बल्कि इब्राहीम को हारान तक जाने के लिए कई बार बड़ी नदियों को पार करना होगा।

तो, इसके साथ, मैं पाठ पर वापस आऊंगा, और हम इसका खुलासा करना शुरू करेंगे। मुझे लगता है कि यह वास्तव में एक दिलचस्प विषय है, लेकिन मेरी रुचि का स्तर हमेशा मेरे आस-पास की दुनिया के समान नहीं होता है। तो, मैं आपको यह बताकर चौंका दूंगा कि हालांकि अंग्रेजी अनुवाद, जहां तक मुझे पता है, हर आखिरी अंग्रेजी अनुवाद कहता है कि वह चाल्डीज़ के उर से आया था, हिब्रू पाठ ऐसा नहीं कहता है।

हिब्रू पाठ में चाल्डीज़ नहीं पढ़ा गया है, जो कि ग्रीक है। हिब्रू पाठ चस्दु कहता है। इसलिए, मैं अपनी हबीरू चर्चा को मिटा सकता हूँ और इसलिए हिब्रू पाठ जो कहता है वह चाल्डीस नहीं, बल्कि चास्दु है।

तो, वे इसका अनुवाद कसदियों के उर के रूप में क्यों करेंगे? ठीक है, ठीक है, मैं निश्चितता के साथ नहीं कह सकता, लेकिन मुझे लगता है कि यह शायद एक बहुत अच्छा अनुमान है। प्रेरितों के काम अध्याय 7 में स्टीफन के भाषण में, स्टीफन इज़राइल के इतिहास के माध्यम से चलता है, और ग्रीक में, स्वाभाविक रूप से, स्टीफन, जो एक हेलेनिस्टिक यहूदी है, स्टीफन सेप्टुआजेंट से उद्धृत कर रहा है। सेप्टुआजेंट पुराने नियम का हिब्रू और अरामी भाषा से ग्रीक में अनुवाद है।

और इसलिए, स्टीफन सेप्टुआजेंट को उद्धृत करता है। खैर, सेप्टुआजेंट कहता है कि वह चाल्डीज़ के उर से आया था, लेकिन हिब्रू पाठ ऐसा नहीं कहता है। तो, पहली बात है स्टीफन का भाषण।

दूसरी बात यह है कि हमें नहीं पता कि चासडू कहां था। इसलिए, यदि अंग्रेजी अनुवादकों ने यह कहना चुना होता कि इब्राहीम चासदु के उर से आया था, तो उसने जो किया होता, उसके परिणामस्वरूप पुराने नियम के अध्ययनों में हमारे पास मौजूद कई प्रश्न चिह्नों में से एक है क्योंकि चासदु की कोई स्पष्ट पहचान नहीं है। तो, ये मेरे सुझाव हैं कि अनुवाद चाल्डीज़ को क्यों चुना गया, लेकिन इसलिए, जैसा कि आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, ग्रीक में चाल्डीज़ हिब्रू का लिप्यंतरण नहीं है, यह एक व्याख्या है।

तो, यह मेरा पहला बिंदु है और मुझे यकीन नहीं है कि हम इस व्याख्यान में इस सारी चर्चा को समाप्त कर पाएंगे, लेकिन हम देखेंगे। सेप्टुआजेंट अनुवादकों को यह नहीं पता था कि चस्तु कहाँ था, लेकिन वे यह जानते थे कि उर का महान शहर कहाँ था। इसलिए, चूँकि वे जानते थे कि तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में उर कहाँ था, वे जानते थे कि उर कहाँ था, और तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में उर की भौगोलिक पहचान, नए नियम की अवधि के ठीक नीचे, उर को चाल्डीज़ का उर कहा जाता था।, और यही कारण है कि उन्होंने इसका अनुवाद करने के लिए चाल्डीज़ के उर को चुना, क्योंकि यह एकमात्र उर है जिसके बारे में नए नियम के लेखक जानते थे, या मुझे सेप्टुआजेंट अनुवादकों को कहना चाहिए।

ठीक है, मुझे यहीं रुकने दीजिए क्योंकि यह थोड़ा भ्रमित करने वाला होगा। नए नियम के समय में, दुनिया केवल एक उर के बारे में जानती थी, और वह उर का यह बहुत प्रसिद्ध शहर था, जो 5वीं सहस्राब्दी ईसा पूर्व का है, इसलिए, इस कारण से, वह एकमात्र उर है जिसके बारे में वे जानते थे, और तीसरे में शताब्दी ईसा पूर्व, उस उर को चाल्डीज़ का उर कहा जाता था। इसलिए, सेप्टुआजेंट के अनुवादकों ने निष्कर्ष निकाला कि यह अब्राहम की मातृभूमि थी, क्योंकि यह एकमात्र उर था जिसके बारे में वे जानते थे।

इसलिए, उन्होंने सेप्टुआजेंट में अनुवाद किया कि इब्राहीम कसदियों के उर से आया था। मैं आपके सामने जो प्रस्ताव रखने जा रहा हूँ वह यह है कि मुझे नहीं लगता कि यह सही है। ठीक है? चाल्डीज़ एक परवर्ती शब्द है जिसका उपयोग हमारे मानव जैसे लोगों की पहचान करने के लिए किया जाता है जो पहली बार 1000 ईसा पूर्व के आसपास दक्षिण में दिखाई दिए थे। यह सहस्राब्दी के मध्य तक नहीं था कि इस क्षेत्र को चाल्डिया कहा जाने लगा, लेकिन मैं आपको जो इंगित कर रहा हूँ वह है कुछ ऐसा जो इस तरह काम करता है।

मुझे दूसरी बार मानचित्र पर लौटने की अनुमति दें। आप शुरू से ही मेरे साथ रहे हैं, और इसलिए इब्राहीम के समय में, यह उर यहाँ था। लेकिन इब्राहीम के समय में उस उर को सुमेर का उर कहा गया होगा।

चाल्डी शब्द, या जिससे हमें चाल्डियन प्राप्त होता है, चाल्डियन शब्द इब्राहीम के समय में भी अस्तित्व में नहीं था। यदि इब्राहीम सुदूर दक्षिण में उर से आया था, तो हिब्रू पाठ में उर को सुमेर का कहा जाना चाहिए था। वास्तव में, यदि हम उत्पत्ति 10 में जाते हैं और हम बाबेल की मीनार के बारे में पढ़ते हैं, तो क्षमा करें, यह अध्याय 11 है। बाबेल की मीनार मैदान में बनाई गई थी, और बाइबिल पाठ इसे शिनार कहता है।

वह शिनार के मैदान में आया। खैर, मैंने आपको बताया था कि शिनार एक तरह से सुमेर का हिब्रू अपभ्रंश था। तो, हम जो इंगित कर रहे हैं वह कुछ ऐसा है जो मुझे लगता है कि निर्विवाद है, और वह निर्विवाद बात यह है कि इब्राहीम के समय में उर को सुमेर का उर कहा जाता था, या यदि इसे हिब्रू शब्दों में रखा जाता, तो यह होता शिनार का उर कहा गया है। और इसलिए, जैसे ही मैं अपने अगले अवलोकन पर आगे बढ़ने के लिए तैयार हो रहा हूँ, मैं यह कहने के लिए वापस आना चाहता हूँ कि यह शब्द चाल्डीज़, जिसे वास्तव में चासडु कहा जाता है, चासडू से हमें चाल्डीज़ मिलता है।

यह एक ऐसा शब्द है जो इब्राहीम के समय में भी अस्तित्व में नहीं था। यह एक ऐसा शब्द है जो 1000 ईसा पूर्व के बाद दक्षिणी मेसोपोटामिया में रहने आए अरामी लोगों का वर्णन करता है, और इसलिए यह संभवतः चाल्डीज़ का उर नहीं हो सकता है। और अच्छी खबर यह है, जैसा कि हम जानते हैं, क्योंकि हिब्रू पाठ में कभी भी चाल्डीज़ नहीं कहा गया है।

यह चासडू ने कहा। तो मुझे इसे आखिरी बार कहने दीजिए, और फिर मैं आगे बढ़ूंगा। हिब्रू पाठ चस्तु कहता है।

यदि यह दक्षिण में उर है, तो इसे सुमेर कहा जाना चाहिए, या सुमेर का हिब्रू समकक्ष, जो शिनार है। तो, पाठ कहता है चाल्डीज़ का उर, और इसका मतलब यह है कि यह हमें अभी एक साथ वापस ले जाता है, और यहाँ लगभग थोड़ा सा हास्य का माहौल है, ठीक है, तो चासदे कहाँ है? ठीक है, हम यहीं पर हैं। मुझे खुशी है कि आप इसमें मेरे साथ बने रहे, और यदि आपने ऐसा नहीं किया, तो भगवान आपका न्याय करेंगे।

ठीक है, तो हम यहाँ चलते हैं। इब्राहीम को दक्षिण में चास्तु नामक उर का रत्ती भर भी विचार नहीं रहा होगा। तो हम जानते हैं कि इब्राहीम उस दक्षिणी उर को सुमेर के उर के नाम से जानता होगा।

तो यह हमें इस प्रश्न को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करता है, ठीक है, चाल्डू पृथ्वी पर क्या है, क्योंकि हिब्रू पाठ कहता है कि वह यहीं से आया था? खैर, मैं यहां इस अनुच्छेद पर आता हूँ। एक बेहतर सुझाव यह है कि चाल्डू प्रोटो-अरामियों के लिए एक हिब्रूवाद है। पुराने नियम की बाद की पुस्तकों के समय से, दक्षिण में चाल्डियन उत्तर में पुराने अरामी समूहों की तुलना में अधिक प्रसिद्ध हो गए, चाल्डियन किसी भी अरामी-भाषी समूह के लिए खड़े हो गए।

दूसरी ओर, कुछ तर्क यह दर्शाते हैं कि चाल्डू वास्तव में उत्तर में है। ठीक है, तो मैं जो प्रस्तावित करने जा रहा हूँ वह यह है कि रहस्यमय शब्द चाल्डू वास्तव में उत्तर में रहने वाले अरामियों के लिए एक पदनाम है, जो कि दक्षिण में रहने वाले कसदियों के विपरीत है। ठीक है? यदि आप पूरी तरह से भ्रमित नहीं हैं, तो यह किसी चमत्कार से कम नहीं है।

मैं मेसोपोटामिया को दो भागों में विभाजित करता हूँ। 1000 ईसा पूर्व के बाद, इस क्षेत्र में अरामी लोगों, बिल्कुल नए अरामी भाषी लोगों का आगमन हुआ। वे प्रसिद्ध हो गए क्योंकि वे बड़े पैमाने पर दक्षिण में बसे थे और उन्हें चाल्डू या चाल्डियन कहा जाता था।

उत्तर में अरामी लोग बस गये। वे लगभग उतने प्रसिद्ध नहीं थे, लेकिन मैं उत्तर में इन अरामियों को चाल्डू शब्द से जोड़ने का प्रयास करने जा रहा हूँ, जो कि हिब्रू पाठ में कहा गया है। तो, यहां यात्रा के रास्ते में कुछ महत्वपूर्ण बिंदु दिए गए हैं जो हमें यह निष्कर्ष निकालने की अनुमति देते हैं कि अब्राहम उर से आया था, जो वास्तव में उत्तर में एक गांव था जिसे उत्तरी अरामी लोगों के कारण चाल्डू कहा जाता था जो उसके समय में वहां रहते थे।

तो, व्यक्तिगत नामों से तर्क। यह थोड़ा भ्रमित करने वाला है। यदि तुम्हें यह नहीं मिला तो इसकी चिंता मत करो।

मुझे लगता है कि और भी चीज़ें हैं जो अधिक महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इब्राहीम के तीन रिश्तेदार हैं। एक का नाम सरुग, दूसरे का नाम नाहोर और तीसरे का नाम तेरह रखा गया। इन तीनों रिश्तेदारों के नाम उत्तर के शहरों के नामों से मिलते-जुलते हैं।

सेरुग उस शहर का ही नाम है जो पद्मन अराम नामक क्षेत्र में स्थित है। नाहोर ऊपरी मेसोपोटामिया में काबुर नदी पर या उसके निकट स्थित एक शहर का ही नाम है। तेरह उत्तर के एक शहर का भी यही नाम है।

इसलिए, यदि आपको यह समझ में नहीं आया, तो यहां मानचित्र पर एक और त्वरित नज़र डालें। यहाँ ऊपर पद्मन अराम के इस क्षेत्र में, हमारे पास तीन शहर हैं जो इब्राहीम के रिश्तेदारों के नाम के समान हैं। यह महत्वपूर्ण है।

इब्राहीम के समय में, यानी 2100 ईसा पूर्व, वह चस्दु के उर से आया था, और हमारे पास इस क्षेत्र में तीन रिश्तेदार हैं जिनके नाम शहरों के समान हैं। अब, इसका मतलब यह नहीं है कि उसके रिश्तेदार शहर जैसे ही हैं। इसका मतलब है कि उनका नाम एक ही है।

तो, इसे ध्यान में रखते हुए, हम आपको बता रहे हैं कि इब्राहीम के रिश्तेदारों के नाम उत्तर के क्षेत्र के शहरों के समान हैं, जिससे एक निश्चित सुझाव मिलता है कि इब्राहीम उत्तर से आया है, दक्षिण से नहीं। आइए इसे छोड़ें और भूगोल के तर्कों पर जाएं। तो, यहाँ वह मानचित्र है जो मैं आपको दिखा सकता हूँ।

यहाँ प्रसिद्ध अराम-नहरैम, दो नदियों का अराम है। तो, इस मानचित्र पर, यह क्षेत्र है। इस मानचित्र का उपयोग किया जा सकता है।

मैं जो करने जा रहा हूँ वह इस मानचित्र पर वापस जाना है और इसका उपयोग आपको यह दिखाने के लिए करना है कि एक बार फिर, यदि इब्राहीम उर से यहां तक जाने वाला था, तो सवाल यह आता है कि वह आखिर क्यों जाएगा यहाँ हारान तक का रास्ता? यदि इब्राहीम सैकड़ों लोगों के साथ यात्रा कर रहा था, जो कि वह निश्चित रूप से था, तो जब हम उत्पत्ति में पहुंचते हैं तो हमें पता चलता है कि इब्राहीम के पास इतने सारे नौकर थे कि उसके पास अपनी निजी सैन्य शक्ति थी, और उन्होंने वास्तव में इस उत्तरी क्षेत्र से यहां एक सेना को हराया था। वह संभवतः सैकड़ों लोगों और सैकड़ों-सैकड़ों जानवरों के साथ इन नदियों को कम से कम तीन बार कैसे पार कर सका होगा? इसका वस्तुतः कोई मतलब नहीं है। वास्तव में, किसी को आश्चर्य होता है कि वह ऐसा कैसे कर सकता था, क्योंकि कम से कम, उसे हारान जाने के लिए यहां फ़रात नदी को पार करना होगा, यहां बालाक नदी को पार करना होगा।

फिर, जब उसके पिता की मृत्यु हो गई, तब हारान पहुँचकर उसे फिर से बालाक को पार करना पड़ा। तब उसे फिर से फ़रात नदी पार करनी पड़ती। हारान जाकर, जैसा कि पाठ कहता है कि उसने किया, साथ ही अपने पिता के मरने की प्रतीक्षा करके, इब्राहीम को अपने अनुचर में

सैकड़ों लोगों के साथ चार बार नदी पार करनी पड़ी होगी, साथ ही इससे भी बड़ी संख्या में लोगों के साथ जानवरों की संख्या.

यह समझाना लगभग असंभव लगता है कि वह हारान क्यों गया होगा। खैर, सिर्फ मेरा प्रस्ताव ही नहीं, बल्कि दूसरों का भी प्रस्ताव है, ऐसा इसलिए है क्योंकि चस्दु का उर दक्षिण में उर का महान शहर नहीं है, बल्कि हारान के पूर्व में इस क्षेत्र में एक छोटा शहर है। इसलिए इब्राहीम हारान गया क्योंकि यही वह स्थान था जहाँ, जब आप पूर्व से पश्चिम की ओर जा रहे थे, तो यही वह स्थान था जहाँ से आप नदी पार करते थे।

दूसरे शब्दों में, हारान शहर के लिए कीलाकार चिन्ह इस तरह दिखता है क्योंकि यह एक क्रॉसिंग पॉइंट था, और हर कोई जो पूर्व से पश्चिम या पश्चिम से पूर्व की ओर जा रहा था उसने हारान में नदी पार की होगी क्योंकि उनके पास वहाँ नौकाएं थीं। लोग नावों को खींचकर पार ले जाते थे। इब्राहीम हारान गया क्योंकि वह एक ऐसी जगह थी जहाँ वह अपने परिवार के बड़ी संख्या में सदस्यों के साथ-साथ जानवरों को भी नावों पर बिठाकर उन्हें नदी पार करा सकता था।

दूसरे शब्दों में, हारान सही रास्ते पर था। मेरे लिए, यह एक बहुत शक्तिशाली तर्क है जो बताता है कि अब्राहम दक्षिण से नहीं बल्कि उत्तर से आया था। अन्य तर्क भी हैं जिनका मैं उल्लेख कर सकता हूँ।

शायद मैं अगले कुछ मिनटों में इससे निपट सकूँ, शायद नहीं। हमारे पास कुछ सबूत हैं, और वे यहां अपेक्षाकृत कम हैं, जिससे पता चलता है कि चासडू का क्षेत्र उत्तर में है। अब, सबूत कुछ भी हो लेकिन निर्णायक नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि चासडू उत्तर में है, दक्षिण में नहीं।

लेकिन हमारे पास अन्य तर्क भी हैं जो मुझे लगता है कि अधिक निर्णायक हैं। तो आइए मैं हमें बाइबल के कुछ महत्वपूर्ण अंशों की ओर इंगित करता हूँ, विशेष रूप से उत्पत्ति अध्याय 24 और अध्याय 28, यदि मुझे ठीक से याद है। उत्पत्ति अध्याय 24 में, इब्राहीम बहुत बूढ़ा है, और इसलिए वह इसहाक के लिए पत्नियाँ लाने के लिए अपने नौकर को भेजता है।

और मेरे साथ अध्याय 24, श्लोक 10 में ध्यान दीजिए, कि दास ने अपने स्वामी के ऊँटों में से दस ऊँट तोड़ लिए, और अपने स्वामी की बहुत सी अच्छी अच्छी वस्तुएँ अपने हाथ में लेकर चला, और वह उठा, और कृपया ध्यान से ध्यान दे, मैं जिस बाइबिल अनुवाद का उपयोग करता हूँ वह न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड है, और इसका अनुवाद मेसोपोटामिया है। जहाँ तक मुझे पता है, अंग्रेजी अनुवाद यही करते हैं। यह मेसोपोटामिया नहीं है, यह अराम-नहरैम है, और हम ठीक-ठीक जानते हैं कि अराम-नहरैम कहाँ है।

मेरे साथ मानचित्र पर वापस चलें। क्या आप मानचित्र पर अराम-नहरैम देखते हैं? यह वही जगह है जहाँ मेसोपोटामिया था। मेसोपोटामिया मेसोपोटामिया नहीं है।

यह अराम-नहरैम है, और यह मानचित्र पर मौजूद है, और जहाँ तक मेरा सवाल है, इसके बारे में कोई विवाद नहीं हो सकता है। वह अराम-नहरैम गया, और श्लोक 10 में ध्यान दें, वह नाहोर

शहर गया। खैर, हम न केवल ठीक-ठीक जानते हैं कि अराम-नहरैम कहाँ था, बल्कि हम यह भी जानते हैं कि वहाँ नाहोर नाम का एक शहर था।

तो, यह मुझे निर्विवाद रूप से लगता है कि इब्राहीम ने अपने नौकर को यहीं भेजा था, मैं ठीक यही प्रस्तावित कर रहा हूँ कि इब्राहीम गया था, और इसलिए मुझे ऐसा लगता है कि पाठ बिल्कुल स्पष्ट है कि जब इब्राहीम ने अपने बेटों के लिए पत्नी लाने के लिए भेजा था, वह ठीक उसी क्षेत्र में गया जहाँ से वह स्वयं आया था। तो, मेरे साथ बने रहिए क्योंकि हम यह काम लगभग पूरा करने के लिए तैयार हैं। हम उत्पत्ति 28 पर जायेंगे।

अब, यह इब्राहीम इसहाक के लिए पत्नी नहीं ला रहा है, बल्कि यह इसहाक याकूब के लिए पत्नी ला रहा है। और इसलिए, अध्याय 28 में, इसहाक ने याकूब से कहा, तू कनान की लड़कियों में से किसी को ब्याह न लेना। परन्तु आयत 2 में वह कहता है, पद्नराम को, अपने नाना बेतेल के घर जाओ।

और उस ने कहा, वहाँ से आपके मामा लाबान की बेटियों में से एक स्त्री ब्याह लेना। और इसलिए, उत्पत्ति के अध्याय 28 में मैं आपके लिए जो बात कह रहा हूँ वह यह है कि पद्न अराम, कोई भी इस बात पर विवाद नहीं करता है कि पद्न अराम उत्तर में नदियों के बीच का क्षेत्र है। तो, अध्याय 24 में, वह अराम-नहरैम में जाता है।

कोई भी यह तर्क नहीं देता कि यह उत्तर में है। अध्याय 28 में, वह पद्न अराम जाता है। कोई यह तर्क नहीं देता कि यह उत्तर में है।

जब हम उत्पत्ति 11 पर वापस जाते हैं और इब्राहीम के जाने के बारे में पढ़ते हैं, तो पाठ हमें याद दिलाता है कि वह जहाँ से भी आया था, उसकी जन्म भूमि उत्तर में थी। इसलिए, यह मुझे इस निष्कर्ष पर ले जाता है कि जब भी मैं अपनी पूरी कोशिश कर सकता हूँ, मेरे लिए यह कहना मुश्किल है कि इब्राहीम उत्तर में उर से आया था, जो ठीक उसी जगह है जहाँ अरामी पहली बार दिखाई देते हैं। अब, वास्तव में मेरे पास आपके लिए भी थोड़ी सी खबर है।

और वह खबर यह है कि जब इब्राहीम अंततः यहाँ उत्तर में प्रकट होता है, तो अब एबला अभिलेखागार ने हमें बताया है कि एक शहर है, शायद यह एक गांव है, यह एक गांव है जो इस उत्तरी क्षेत्र में मौजूद है, इसलिए अब हमारे पास क्या है यह उर का पुरातात्विक साक्ष्य है जिसका वास्तव में उत्तर में उल्लेख मिलता है। यह वही उर हो भी सकता है और नहीं भी, जहाँ से इब्राहीम आया था। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि हमारे पास यह सुझाव देने के लिए सबूत हैं कि इब्राहीम उत्तर से आया था, और यह बाइबिलवादियों के रूप में हमारे लिए बहुत सुविधाजनक है क्योंकि जब अरामी लोग प्रकट होते हैं, तो वे उत्तर में दिखाई देते हैं।

और यह कि हमारे पास उत्तर में अराम के इन सभी स्थानों के नाम हैं, इसलिए मैं इस वीडियो पर आपके लिए निष्कर्ष निकालूंगा, यह विशेष वीडियो है, मुझे लगता है कि सबूत बहुत मजबूत है कि इब्राहीम अरामी मूल का था। शायद तब वे उन्हें अरामी नहीं कहते थे। शायद वे उन्हें अखलामाइट कहते थे। लेकिन इब्राहीम अरामी मूल से आया था, कि इब्राहीम उत्तरी उर से आया

था, और कुलपतियों की मातृभूमि उत्तरी मेसोपोटामिया में है, यही कारण है कि उत्पत्ति ने उन्हें अरामी से जोड़ा है।

मेरा मानना है कि यह उनका जातीय मूल है, भले ही इब्राहीम के समय में, उनके लिए अरामी शब्द का उपयोग नहीं किया गया था। वे अरामी जैसे हैं। मैं कहूंगा कि उत्पत्ति के पास प्रभावशाली सबूत हैं जो दिखाते हैं कि इब्रियों के पूर्वज अरामी अर्क से आए थे, और इस प्रकार, मैं सुझाव दूंगा कि कुलपतियों की मातृभूमि उत्तरी मेसोपोटामिया में है, जैसा कि उत्तरी मेसोपोटामिया में उर है। यहां तक कि यहोशू 24:2-3 में भी, वह कहता है कि उनकी मातृभूमि अराम-नहरैम थी, और कोई भी इस बात पर विवाद नहीं करता कि अराम-नहरैम उत्तर में अराम है।

तो, इसके साथ, मैं इस चर्चा को समाप्त कर सकता हूं, और हम आने वाले व्याख्यान या आने वाली चर्चा के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं, जो शायद दुनिया के इतिहास में लोगों का सबसे बड़ा आंदोलन है, सी पीपल्स मूवमेंट। तो, इसके साथ, हम इस व्याख्यान को समाप्त कर सकते हैं और सी पीपल्स मूवमेंट पर अगले व्याख्यान के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं। आपके ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 13 है, लोग समूह, हबीरू और अरामियन।